साईं बाबा की आरती

आरती श्री साई गुरुवर की,

परमानन्द सदा सुरवर की।

जा की कृया विपुल सुखकारी,

दुःख, शोक, संकट, भयहारी।

हिंदीपथ.कॉम – HindiPath.com

शिरडी में अवतार रचाया,

चमत्कार से तत्त्व दिखाया।

कितने भक्त चरण पर आये,

वे सुख शान्ति चिरंतन पाये।

भाव धेरै जो मन में जैसा,

पावत अनुभव वो ही वैसा।

हिंदीपथ.कॉम – HindiPath.com

गुरुकी उदी लगावे तन को,

समाधान लाभत उस मन को।

साई नाम सदा जो गावे,

सो फल जग में शाश्वत पावे।

गुरुवासर करिपूजा-सेवा,

उस पर कृपा करत गुरुदेवा।

हिंदीपथ.कॉम – HindiPath.com

राम, कृष्ण, हनुमान रूप में,

दे दर्शन, जानत जो मन में।

विविध धर्म के सेवक आते,

दर्शन इच्छित फल पाते।

जै बोलो साईं बाबा की,

जै बोलो अवधूत गुरु की।

साईंदास आरती को गावै,

घर में बसि सुख, मंगल पावे ।

हिन्दीपथ.कॉम

अन्य आरतिया पढ़ें

- गणेश जी
- हनुमान जी
- शनि देव
- अम्बे तू है जगदम्बे
- ओम जय जगदीश हरे
- साईं बाबा
- बालाजी
- बाबा रामदेव जी
- रविदास जी
- महावीर भगवान
- शारदा माता
- भैरव आरती
- राधा जी
- पितर
- पार्वती जी
- आरती कुंजबिहारी

- जय शिव ओंकारा
- महालक्ष्मी जी
- तुलसी माता
- गंगा मैया
- सूर्य भगवान
- नर्मदा जी
- कृष्ण आरती
- विश्वकर्मा जी
- शीतला माता
- जाहरवीर बाबा
- अन्नपूर्णा माता
- ब्रह्मा जी
- शाकंभरी माता
- प्रेतराज सरकार
- परशुराम जी
- बटुक भैरव
- श्री विंध्येश्वरी
- बाबा गंगाराम जी
- बगलामुखी आरती
- आरती ललिता जी की

- गुरु गोरखनाथ
- लड्डू गोपाल
- बद्रीनाथ
- सरस्वती माता
- रघुवर लला
- गीता जी
- श्री रामायण जी
- गौ माता

हिन्दीपथ.कॉम